मध्यिका (MEDIAN)

डॉ. संतोष कुमारी
एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्षा
समाजशास्त्र विभाग
जेकेपी पीजी कॉलेज मुजफ्फरनगर

माध्यिका का अर्थ एवं परिभाषा:

किसी समंक श्रेणी को आरोही या अवरोही क्रम में जमा कर मध्य पद मालूम किया जाता है। उस मध्य पद का मूल्य ही मध्यिका कहलाता है, जैसे परिवार के 11 सदस्यों को आयु के अनुसार खड़ा किया जाए तो छठे सदस्य की आयु मध्यिका कहलाएगी। यदि समंकमाला में पदों की संख्या सम है तो मध्य के 2 पदों के मूल्यों को जोड़कर आधा करने से मध्यिका मूल्य ज्ञात होता है।

कार्नर के अनुसार –”मध्यिका एक समंक माला का वह पद - मूल्य है जो समूह को बराबर भागों में इस प्रकार बांटता है कि एक भाग के सारे मूल्य दूसरे भाग से कम होते हैं।”

स्पष्टहै कि मध्यिका वह केंद्रीय मूल्य है जो क्रमबद एवं व्यवस्थित समंकमाला को दो समान भागों में विभाजित करता है।

मध्यिका की विशेषताएं :
Characteristics Of Median :

1. मध्यिका समंकमाला के केंद्र में स्थित एक विशेष पद मूल्य होता है।
2. मध्यिका संपूर्ण समंक श्रेणी को दो बराबर- बराबर भागों में विभाजित करती है।
3. मध्यिका को प्राय: पद - मूल्यों की क्रमिक वृद्धि पर ही आधारित किया जाता है।
4. मध्यिका ज्ञात करने के लिए पदों को आरोही अथवा अवरोही क्रम में व्यवस्थित करना पड़ता है।

मध्यिका का निर्धारण :
Determination Of Median :

1. .व्यक्तिगत श्रेणी में मध्यिका निकालना
2. खंडित श्रेणी में मध्यिका का निर्धारण
3. सतत श्रेणी में मध्यिका का निर्धारण

मध्यिका के गुण :
Merits Of Median:

1. सरलता
2. स्पष्टता
3. बिंदुरेखीय विवेचन
4. चरम मूल्यों का न्यूनतम प्रभाव
5. गुणात्मक तथ्यों के अध्ययन में सहायक
6. उचित प्रतिनिधित्व
7. सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करने में माध्यिका का प्रयोग

मध्यिका के दोष :
Demerits Of Median :

1. संमकों को क्रम में जमाना आवश्यक
2. उचित प्रतिनिधित्व नहीं
3. बीजगणितीय विवेचन असंभव
4. अवास्तविकता

Thankyou